बातचीत

न. 04/2026 भारतीय थलसेना का प्रकाशन अप्रैल 2026

जम्मू-कश्मीर
लद्दाख

सुरक्षा परिदृश्य

मजबूत । स्थिर । तकनीक-सक्षम

भारतीय सेना ने निरंतर शांति और मजबूत सुरक्षा को सुनिश्चित करके भारत सरकार की केंद्रित योजनाओं के साथ मिलकर, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को **अवसरों के क्षेत्र में बदल** दिया है। जिससे स्थानीय समुदाय को **अनिश्चितता से आकांक्षा** की ओर और **संघर्ष की जगह आत्मविश्वास** और गरीबी से निकलकर **निरंतर विकास की ओर** बढ़ने के लिए सशक्त बनाया है।

उत्तरी कमान ढाई मोर्चों पर मौजूद खतरों को सक्रिय रूप से निपटती है।

ऑपरेशंस के क्षेत्र में पश्चिमी मोर्चे पर अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा शामिल हैं।

सुरक्षा समीक्षा

सतत ऑपरेशंस

- ऑपरेशन रक्षक
- ऑपरेशन मेघदूत
- ऑपरेशन हिम तेंदुआ

हाल के ऑपरेशंस

- ऑपरेशन सिन्दूर
- ऑपरेशन महादेव
- आॅपरेशन त्राशी-1
- ऑपरेशन त्राशी-2
- ऑपरेशन किया
- ऑपरेशन दिग्गी
- ऑपरेशन शिव शक्ति

ऑपरेशन स्नो लेपर्ड

ऑपरेशन सिंदूर

ऑपरेशन मेघदूत

आतंक-रोधी अभियान

आंतरिक क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए घुसपैठ-रोधी और आतंक-रोधी अभियान सक्रिय रूप से चलाए जाते हैं।

सुरक्षा परिदृश्य

मजबूत । स्थिर । तकनीक-सक्षम

युद्ध सामग्री-भंडार की तैयारी

दाँव-पेंच

सहनशक्ति

भैरव बटालियनें

मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस (बहु-क्षेत्रीय अभियानों) के अनुकूल वातावरण में सैन्य टुकड़ियों की विषम क्षमताओं को बढ़ाने के लिए गठित किया गया है।

तेज और उच्च-प्रभाव वाले अभियानों के लिए ड्रोन और अन्य आधुनिक हथियार प्रणालियों से सुसज्जित हैं।

सटीकता

संचार

रुद्र ब्रिगेड

इन्फैंट्री, आर्मर, आर्टिलरी, वायु रक्षा, एसएफ (विशेष बल), लोइटर मुनिशन्स और ड्रोन को एक एकीकृत कमान के तहत जोड़ती है।

उभरते खतरों के विरुद्ध, विशिष्ट भू-भागों में त्वरित अभियानों में सहयोग करने के लिए उन्नत प्रणालियों से सुसज्जित है।

क्षेत्र-कौशल

सेना का मार्शल आर्ट नियमित प्रशिक्षण

रणनीतिक

फर्स्ट पर्सन व्यू फ्लाइंग

निगरानी

डायनामिक टारगेट प्रैक्टिस

लॉजिस्टिक्स डिलीवरी

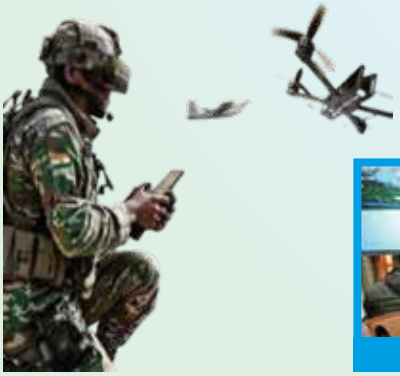

आशनी सैन्य टुकड़ियां

आसमान पर राज करने वाली सर्वोच्च शक्ति

सिम्युलेटर ट्रेनिंग

बाधा पार करना

बंकर में प्रवेश

क्षमता विकास और प्रौद्योगिकी अपनाना

आत्मनिर्भर । नवाचार । भविष्य के लिए तैयार

भारतीय सेना निरंतर प्रौद्योगिकी अपनाने के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार रहने के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमारी रणनीतिक योजनाएं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अत्यंत दुर्गम भूभागों में भी परिचालन उत्कृष्टता और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करती हैं।

नवाचार के माध्यम से शक्ति का निर्माण

भविष्य के लिए तैयार रहना, प्रौद्योगिकी को अपनाना

ड्रोन उड़ाने, रखरखाव और मरम्मत का प्रशिक्षण

ड्रोन उड़ाने, मरम्मत और रखरखाव के प्रशिक्षण के लिए एक एकीकृत केंद्र की स्थापित की गई है, जो आधुनिक सिमुलेटरों से सुसज्जित है

बहु-क्षेत्रीय अभ्यास

विद्युत विध्वंस अभ्यास, जो बहु-क्षेत्रीय क्षमताओं और संपूर्ण राष्ट्र के दृष्टिकोण पर केंद्रित है

जेटी का उन्नयन

पैंगोंग त्सो झील पर नाव डॉकिंग क्षमता में वृद्धि

अग्रिम क्षेत्रों में मरम्मत सुविधाएँ

उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए अग्रिम क्षेत्रों में उन्नत मरम्मत सुविधाएँ स्थापित की गई हैं

नई पीढ़ी के वाहनों के स्पेयर पार्ट्स का हब

ओईएम के सहयोग से लेह में नई पीढ़ी के वाहनों के स्पेयर पार्ट्स का हब स्थापित किया गया है

भूमिगत ईंधन भंडारण टैंक

प्रोजेक्ट सेना सारथी - बीपीसीएल के साथ एक संयुक्त परियोजना, जिसका उद्देश्य लेह में उच्च-ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए 1505 केएल लॉजिस्टिक्स क्षमता को बढ़ाना है

मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन

पहले कार्य वाला । तालमेलपूर्ण । करुणावान

तांगत्से

सिंथन टॉप

राजौरी

अखनूर

किश्तवाड़

मनाली, लेह

नुरला, लद्दाख

निम्न स्थिति के दौरान सहायता

- बाढ़
- भारी बर्फबारी
- फंसे हुए पर्यटकों का बचाव
- आग लगने की घटनाएं
- चिकित्सा आपातकाल
- सड़क दुर्घटनाएं
- भूस्खलन

जहां उम्मीद धूमिल होती है.....सेना उसे फिर से जगाती है

सीमावर्ती क्षेत्र का विकास

सैन्य-नागरिक समन्वय । सहयोगात्मक । परिवर्तनकारी

भारतीय सेना की योजनाएं सैन्य अभियानों को सामुदायिक विकास से जोड़ती हैं, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में स्थायी साझेदारियाँ मजबूत होती हैं।

लद्दाख के मिग ला दर्रे में 19,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित सबसे ऊंची मोटरगाड़ी चलाने योग्य सड़क

श्योक सुरंग, जो दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी को जोड़ती है

सीमावर्ती क्षेत्रों में रणनीतिक सड़कों, सुरंगों और पुलों का विकास सैनिकों की त्वरित आवाजाही और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाता है, जिससे यात्रा का समय काफी कम हो जाता है और पूरे वर्ष निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित होती है।

सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल जैसे बुनियादी ढांचे का विकास स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है और पर्यटकों की आवाजाही सुनिश्चित करता है।

गुल-ए-सेउम: बलिदान की विरासत, कश्मीर को याद करते हुए, कश्मीर

चिकित्सा उपकरणों और एम्बुलेंस की व्यवस्था, लद्दाख

स्थानीय लोगों के लिए बोरवेल की व्यवस्था, लद्दाख

लद्दाख के छात्र माननीय राष्ट्रपति के साथ

भारत भूमि-दर्शन

शौर्य । विकास । एकीकरण

स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, सैन्य इतिहास पर गर्व की भावना जगाने और थीम-आधारित यात्रा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, भारत रणभूमि दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उत्तरी कमान इस पहल को सक्रिय रूप से बढ़ावा देती है। इसी क्रम में, विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर एक विशेष पोस्ट जारी की गई, जिसमें उद्देश्यपूर्ण यात्रा की थीम को बढ़ावा देते हुए, लोगों से उन सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण करने का आग्रह किया गया, जो अपने शौर्य और बलिदान की गौरवशाली विरासत के लिए जाने जाते हैं।

कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास

सियाचिन युद्ध स्मारक, लेह

जहाँ साहस एक विरासत बन गया। भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा दौरा किया गया, जिन्होंने हमारे बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

गलवान युद्ध स्मारक, लद्दाख

हॉल ऑफ फेम, लेह

अजोते युद्ध स्मारक, कश्मीर

रेजांग ला युद्ध स्मारक, लद्दाख

बलिदान जो अमर हो गया।

माननीय वित्त मंत्री द्वारा दौरा किया गया, जिन्होंने 1962 के नायकों को सम्मानित किया।

गुरेज युद्ध स्मारक, कश्मीर

तिथवाल युद्ध स्मारक, कश्मीर

उन वीर सैनिकों को एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने हमारे राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

वीरों का सम्मान

website - https://bharatrannbhoomidarshan.gov.in

सीमाओं को सशक्त बनाना

आर्मी गुडविल स्कूलों (एजीएस) का परिवर्तनकारी प्रभाव

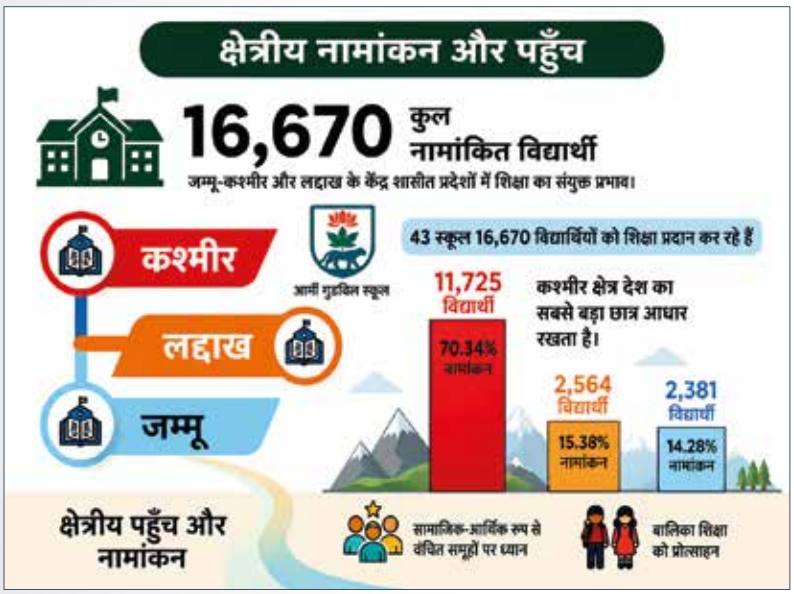

- आर्मी गुडविल स्कूलों में 127 स्मार्ट कक्षाएँ
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए डिजिटल कोचिंग केंद्र
- एनईपी के अनुरूप शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा

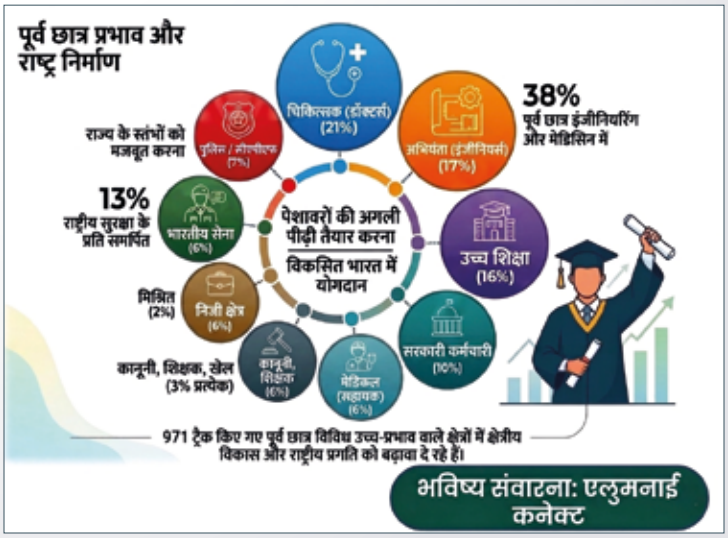

युवाओं को सशक्त बनाना

एकीकरण । सशक्तिकरण । कौशल विकास

सही रास्ता

- युवाओं को आगे बढ़ने के लिए सही राह मिले यह सुनिश्चत करने के लिए यह अनोखा कार्यक्रम है, और वे उद्यमिता, कौशल तथा शिक्षा पर आधारित अपना करियर बना सकें, साथ ही, उन्हें नशे की लत, नशीले पदार्थों के जाल और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों का शिकार होने से बचाया जा सके।
- इस योजना के तहत अब तक 600 से अधिक युवाओं को विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

कट्टरता-मुक्ति के लिए सही रास्ता

एनसीसी कैडेट्स के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम

आइस हॉकी चौंपियनशिप

शीना सांस्कृतिक उत्सव

खेल और सांस्कृतिक गतिविधियां

- वर्मुल गिंदू (शीतकालीन खेल)
- सांस्कृतिक उत्सव
- गुलमर्ग स्की नोड की स्थापना
- आइस-हॉकी चौंपियनशिप
- ब्रिगेडियर उस्मान क्रिकेट प्रीमियर लीग
- पोलो प्रतियोगिताएँ
- तीरंदाजी प्रतियोगिताएँ
- शीना सांस्कृतिक उत्सव
- मेंढर उत्सव

जम्मू सुपर 30 योजना

- जम्मू सुपर 30 भारतीय सेना के सहयोग की एक योजना है, जो जम्मू के वंचित छात्रों को आईआईटी-जेईई की कोचिंग प्रदान करती है।
- 2022-23 में अपनी शुरुआत के बाद से, **60 से अधिक छात्रों ने जेईई परीक्षा उत्तीर्ण की** है और प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया है।

हरित योजनाएं

सतत । नवीकरणीय । कार्बन उत्सर्जन में कमी

पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाएं और संसाधन संरक्षण

एनटीपीसी के सहयोग से चुशुल में 200 किलोवाट उत्पादन क्षमता वाली हरित ऊर्जा परियोजना स्थापित की गई है।

बायो-गैस प्लांट, श्रीनगर
क्षमता 1-6 एम^3 गैस/दिन
साइज 2-4 एम डाया डाइजेस्टर

वर्षा जल संचयन
क्षमता 1000 - 50,000 एल
साइज 1-2.5 एम डाया टैंक

प्लास्टिक कचरा हटाने के अभियान

पुनर्चक्रित कचरे से बने परिधान

ऊँचे इलाकों में पर्यावरण की देखभाल

अग्रिम चौकियों पर हरित तकनीकों की शुरुआत, जिसमें सौर-ऊर्जा से चलने वाले सिस्टम, बायो-डाइजेस्टर और पर्यावरण के अनुकूल निर्माण के तरीके शामिल हैं। ऑपरेशनल तैयारी बनाए रखने और स्थानीय समुदायों का सहयोग करने के दौरान हिमालय के पर्यावरण को बचाने की प्रतिबद्धता।

बिन कम्पोस्टिंग, श्रीनगर

क्षमता 50 कि.ग्रा. 2 टन/महीना
साइज -1-5 मीटर लंबे गड्ढे

मुख्य गतिविधियाँ

- पेड़ लगाना
- कचरे का पुनर्चक्रण
- जल संरक्षण
- वर्षा जल संचयन
- कम्पोस्ट बनाना
- बायो-गैस प्लांट

हरित और निरंतर

पर्यावरण की सुरक्षा - स्वच्छ और हरित ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध

थलसेनाध्यक्ष पृष्ठ

थलसेनाध्यक्ष ने 02 अप्रैल 26 को भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त महामहिम श्री एम. हमीदुल्लाह से मुलाकात की। इस बातचीत का मुख्य उद्देश्य संयुक्त प्रशिक्षण योजनाओं सहित द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और सुदृढ़ करना था।

थलसेनाध्यक्ष ने 21 से 24 अप्रैल 26 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा किया, जिसमें हवाई स्थित यूएस आर्मी पैसिफिक (यूएसएआरपीएसी) और कार्लिसल बैरक्स स्थित आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) शामिल थे, जहाँ उन्हें इंटरनेशनल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

थलसेनाध्यक्ष ने 08 अप्रैल 26 को बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का दौरा किया और स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं, सेना विमानन की चल रही परियोजनाओं तथा भारतीय सेना विमानन को सहयोग करने वाले उनके उन्नयन एवं रखरखाव तंत्र की समीक्षा की।

सेना प्रमुख ने 11 अप्रैल 26 को 515 आर्मी बेस वर्कशॉप का दौरा किया और भारतीय सेना को अत्याधुनिक ऐडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सुविधा समर्पित की, जिसमें उन्नत 3डी स्कैनिंग, धातु एवं पॉलिमर प्रिंटिंग, पोस्ट-प्रोसेसिंग तथा गुणवत्ता आश्वासन क्षमताएँ शामिल हैं।

थलसेनाध्यक्ष ने मंगोलिया में 28 मार्च से 11 अप्रैल 26 तक आयोजित एशियन बॉक्सिंग चौंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले भारतीय सेना के मुक्केबाजों को सम्मानित किया, जहाँ उन्होंने कुल आठ पदक (तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य) प्राप्त किए।

थलसेनाध्यक्ष को 06 अप्रैल 26 को मेजर जनरल पी.के. मलिक (सेवानिवृत्त) द्वारा लिखित पुस्तक "द न्यू बैटलफील्ड ऑफ इन्फॉर्मेशन वारफेयर" तथा कैडेट राहुल सिंह परिहार और कैडेट गौरव मिश्रा द्वारा लिखित "एनसीसी: द अनटोल्ड स्टोरी" भेंट की गई।

संक्षिप्त समाचार

टाइगर डिवीजन ने 07 से 08 अप्रैल 26 के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त आतंकवाद-रोधी और उग्रवाद-रोधी रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया।

त्रिशक्ति कोर द्वारा 09 अप्रैल 26 को उत्तरी सिक्किम में ऑपरेशन हिम सेतु संचालित किया गया, जिसके तहत लाचेन और चुंगथांग के बीच भूस्खलन एवं भारी हिमपात के कारण बाधित सड़क मार्ग में फंसे 1,300 से अधिक पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को सुरक्षित निकाला गया।

21 अप्रैल 2026 को आर्मी ट्रेनिंग कमांड (एआरटीआरएसी) के तत्वावधान में मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स और साइबर इलेक्ट्रो मैग्नेटिक गतिविधि पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें आर्मी वॉर कॉलेज, इन्फैंट्री स्कूल, एमसीटीई, मध्य प्रदेश पुलिस, बीएसएफ तथा विषय विशेषज्ञों के अधिकारी शामिल हुए।

09 अप्रैल 26 को बनबसा मिलिट्री स्टेशन पर पंचशूल वारियर्स की परिचालन तैयारियों तथा ड्रोन प्रशिक्षण क्षेत्र का ऑडिट किया गया।

असम राइफल्स ने 11 अप्रैल 26 को महाराजा बीर बिक्रम एयरपोर्ट, अगरतला में सीआईएसएफ के साथ समन्वय करते हुए एक बहु-एजेंसी प्रशिक्षण अभ्यास का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य हवाई अड्डे पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के बीच सहयोग, तैयारी और जवाब देने क्षमता को बढ़ाना था।

स्पीयर कोर के अंतर्गत दाओ डिवीजन ने आईटीबीपी की शौर्य कमांडो टीम के साथ मिलकर अरुणाचल प्रदेश में दो सप्ताह के माउंटेन वारफेयर प्रशिक्षण अभ्यास का सफलतापूर्वक समापन किया, जिसमें 21 अप्रैल 26 को 24 घंटे का "एक्सरसाइज माउंटेन प्रहरी" भी शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

कर्नल सोनम वांगचुक, एमवीसी (सेवानिवृत्त) का अंतिम संस्कार 16 अप्रैल 26 को लेह में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ किया गया। उन्हें "लद्दाख का शेर" और कारगिल युद्ध के नायक के रूप में जाना जाता है। वरिष्ठ सेना अधिकारियों, अन्य अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने पुष्पांजलि अर्पित की।

127 ईटीएफ, देहरादून को 25 अप्रैल 26 को पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड का मुख्यमंत्री प्रशंसा पुरस्कार (2025-26) से सम्मानित किया गया। 127 ईटीएफ ने 9.5 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया है तथा "भागीदारी और जिम्मेदारी" अभियान को प्रभावी रूप से संचालित किया है।

नेतृत्व परिवर्तन: 01 अप्रैल 2026

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम,
वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ

लेफ्टिनेंट जनरल वी. एम. बी. कृष्णन, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम,
जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी कमान

लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, एवीएसएम, एसएम,
जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र पाल सिंह, एवीएसएम, एसएम**,
जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी कमान

सैन्य कूटनीति

एक्सरसाइज साइक्लोन-IV, भारत-मिस्र स्पेशल फोर्सेस जोइंट एक्सरसाइज, 09-17 अप्रैल 26, अंशास, मिस्र में आयोजित किया गया।

एक्सरसाइज दस्तलिक, भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त अभ्यास का 7वाँ संस्करण, 12-15 अप्रैल 26, नामंगन, उज्बेकिस्तान में आयोजित हुआ।

आर्मी ट्रेनिंग कमांड (एआरटीआरएसी) के तत्वावधान में मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग ने 16 अप्रैल 26 को श्रीलंका सशस्त्र बलों के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

भारत-उज्बेकिस्तान वार्षिक रक्षा सहयोग योजना के अंतर्गत 27 मार्च से 23 अप्रैल 26 तक पुणे स्थित कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग में उज्बेकिस्तान सेना के लिए एक विशेष रूप से तैयार पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

आर्मेनिया गणराज्य के जनरल स्टाफ के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एडवर्ड अस्रयान ने 27 अप्रैल 26 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया और अमर ज्योति पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारतीय सशस्त्र बलों के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

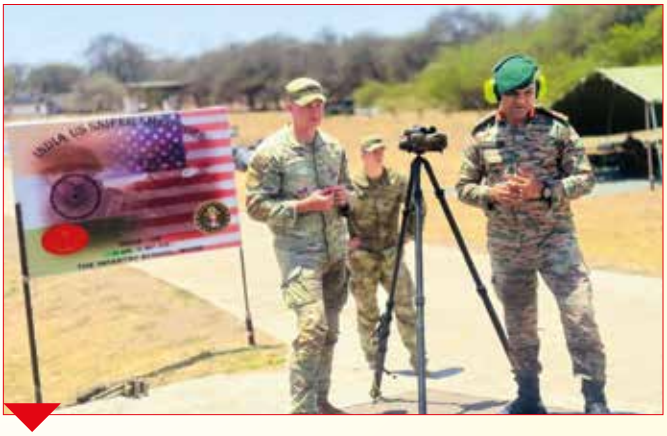

मऊ स्थित इन्फैंट्री स्कूल में 21-30 अप्रैल 26 के दौरान विषय विशेषज्ञ आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य इन्फैंट्री स्कूल के प्रशिक्षकों और अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की बॉबकैट स्नाइपर्स के बीच महत्वपूर्ण सामरिक ज्ञान का आदान-प्रदान करना था

विज्ञप्ति

संशोधित एसओपी - 2025 सुनिश्चित सम्मानजनक अंतिम संस्कार योजना (एडीएलआरएस)

सभी भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी)

एडीएलआरएस एसओपी को 2025 में संशोधित किया गया है, ताकि फील्ड कमेटी मॉडल से हटकर एक सरल, दावे-आधारित प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को अपनाया जा सके - जिससे शोक संतप्त परिवारों को होने वाली प्रक्रियात्मक कठिनाइयों में कमी आएगी।

कौन पात्र है?

- कौन

भारतीय सेना के सभी पूर्व सैनिक (असम राइफल्स, जीआरईएफ, एसएफएफ सहित), जिनके पास वैध सीएसडी ग्रोसरी और शराब कार्ड हों।

- दावेदार

मृतक के निकट संबंधी या रक्त संबंधी, जो अंतिम संस्कार की व्यवस्था करते हैं।

- कहाँ

सेना की कोई भी सीएसडी कैंटीन - साथ ही चुनिंदा आईएएफ और नौसेना सीएसडी।

- दावा करने की समय सीमा

पूर्व सैनिक की मृत्यु की तारीख से 6 महीने के अंदर।

क्रमबद्ध प्रक्रिया

- नजदीकी सीएसडी कैंटीन जाएँ - मृतक के निकट संबंधी (एनओके)/ रक्त संबंधी जरूरी कागजात लेकर जाएँ। पहले से अपॉइंटमेंट लेने की जरूरत नहीं है।
- कागजात जमा करें - सीएसडी कार्ड, मृत्यु का प्रमाण और निकट संबंधी/दावा करने वाले व्यक्ति का आधार कार्ड। अगर आप पात्र हैं, तो सीएसडी आपको एडीएलआरएस भुगतान आवेदन फॉर्म भरने और नए सीएसडी कार्ड में मदद करेगा।
- ग्रांट उसी दिन मिल जाएगी - जाँच पूरी होते ही 10,000 की राशि नकद या बैंक ट्रांसफर के जरिए तुरंत दे दी जाएगी।
- सीएसडी दोनों कार्डों को मृतक श्रेणी में डालकर हॉटलिस्ट कर देगा, और सीएसडी निदेशालय तथा डीआईएवी को इसकी सूचना देगा।
- निकट संबंधी रसीद पर हस्ताक्षर करेगा - यह स्वीकार करते हुए कि उसे 10,000 की ग्रांट मिल गई है।

जरूरी दस्तावेज

- दिवंगत पूर्व सैनिक का ओरिजीनल सीएसडी ग्रोसरी कार्ड
- दिवंगत पूर्व सैनिक का ओरिजीनल लिकर कार्ड
- दावेदार (निकट संबंधी/निकट संबंधी) का स्वयं सत्यापित आधार कार्ड
- मृत्यु का प्रमाण (कोई एक): अस्पताल से एमसीसीडी/डिस्चार्ज स्लिप एफआईआर या पोस्ट मार्टम रिपोर्ट (अप्राकृतिक मृत्यु होने पर)/ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र (ग्रामीण इलाकों के लिए).

इनकी जरूरत नहीं है

पीपीओ, सर्विस बुकलेट, आश्रित प्रमाण पत्र, स्टेशन मुख्यालय काउंटर - हस्ताक्षर या कोई अन्य अतिरिक्त कागज के काउंटर-हस्ताक्षर या कोई अन्य अतिरिक्त दस्तावेज की कोई भी अधिकारी मांग नहीं कर सकता।

संशोधित एसओपी में मुख्य बदलाव

- दावा-आधारित मॉडल की जगह अब फील्ड कमेटी का दौरा है।
- दावा करने वाला निकटतम परिजन (एनओके) होगा - जैसे पति/पत्नी, बच्चे, माता-पिता, भाई-बहन।
- यदि कोई निकटतम परिजन उपलब्ध या संपर्क में नहीं है, तो अंतिम संस्कार करने वाला रक्त संबंधी दावा कर सकता है।
- किसी विशेष सीएसडी पर निर्भरता नहीं- कोई भी आर्मी सीएसडी इस प्रक्रिया को पूरा कर सकता है।
- सर्विस बुकलेट की आवश्यकता नहीं - केवल सीएसडी कार्ड पर्याप्त हैं।
- अनुदान सीएसडी के अपने लाभांश से दिया जाएगा - प्रक्रियात्मक कारणों से भुगतान में देरी नहीं होगी।

महत्वपूर्ण नोट्स

यह ग्रांट ₹ 7,000 की डेमाइज ग्रांट से अलग है, जो केवल जेसीओ और अन्य रैंकों (ओआर) के लिए लागू है और संबंधित स्टेशन मुख्यालयों के मौजूदा आदेशों के अनुसार इसका भुगतान जारी है। दोनों ग्रांट के लिए पात्र परिवार स्वतंत्र रूप से दावा कर सकते हैं।

भारतीय सेना
आपातकालीन हेल्पलाइन

INDIAN ARMY

155306

24x7 आपातकालीन हेल्पलाइन

हम प्रदान करते हैं सहायता:

- जीवन-खतरे की स्थितियां
- हमले / हिंसा के मामले
- दुर्घटना के मामले
- सेना पुलिस से संबंधित मामले
- पूर्व सैनिकों / परिवारों के लिए गंभीर संकट

24/7 प्रशिक्षित सैन्य पुलिस कर्मियों द्वारा संचालित
24/7 सैन्य पुलिस कार्मिक

देशभर में सभी प्रमुख दूरसंचार प्रदाताओं से सुलभ

त्वरित प्रतिक्रिया, अखिल भारतीय

आप कॉल करें 155306 → कॉल आपातकालीन हेल्प डेस्क पर प्राप्त हुई → निकटतम सीएमपी डिट / एसटीएन मुख्यालय / यूनिट को सूचित किया गया → मिनटों में सहायता

★ सेवारत कर्मियों और पूर्व सैनिकों के लिए ★
इस नंबर को सेव करें - इसे व्यापक रूप से शेयर करें
यह एक जान बचा सकता है

अखिल भारतीय सेवारत और पूर्व सैनिकों के लिए

जानकारी के लिए संपर्क करें
प्रकाशक: स्ट्रेटजिक कम्युनिकेशन, रक्षा मंत्रालय (सेना), आईएचक्यू का अतिरिक्त महानिदेशालय
संपादक बातचीत ईमेल: editorbaatcheet@gmail.com
संपर्क नंबर: 011-23018665
प्रिंटर: एनीथिंग प्रिंटर, **फोन:** 011-45685718

BAATCHEET